PANDIT S. S. N. TANKHA: Is the Minister aware that formerly the shortest distance fare was five naye paise. Then, it was increased to seven naye paise. Then it was increased to twelve. Now what is the present position? I do not know whether it is ten or twelve naye paise.

SHRI RAJ BAHADUR: The minimum fare for 1*6 km. before the change was seven naye paise and then it has been fixed at ten naye parse for 2-5 km. It is true that before that there was some increase of fares but that was on the basis of distaace in miles. Before November 1957, that is before the introduction of the decimal coinage system, the fare was one anna, which is equal to six naye paise per mile. It was decreased from 15th November, 1957 to five naye paise. From six naye paise it becama five, it was minus one naya paisa. If you want details, I have got other details.

SHRI A. B. VAJPAYEE: I want to make a submission. Why not allow a half-an-hour discussion on this issue and the Minister may kindly agree to the discussion? The discussion may be held to-day or tomorrow and let everything be thrashed out.

SHRI RAJ BAHADUR: I will just submit to you that there is an elected representative body of the citizens of Delhi, which is the Corporation. They are considering it every day arid are discussing this matter. If the House wants to give time, that is another matter.

MR. CHAIRMAN: We have taken a good fourteen minutes on this.

SHRI A. B. VAJPAYEE: Another half-an-hour will not do any harm.

SHRI I. K. GUJRAL: Sir,....

MR. CHAIRMAN: No afterthoughts. You have had your questions.

कोटा और सवाई माधोपुर के बीच रेल-गाड़ियों में यात्रियों की भीड़

*२९२. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कोटा और सवाई माधोपुर के बीच चलने वाली १९ डाउन रेल गाड़ी में तृतीय श्रेणी के यात्रियों की जो अत्यधिक भीड़ रहती है, उसे कम करने के लिये क्या किया जा रहा है ?

[RUSH OF PASSENGERS IN TRAINS BIT-WEEN KOTA AND SAWAI MADHOPUR

•292. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the steps which are being taken to ease the heavy rush of passengers travelling in third class in the 19 Down train running between Kota and Sawai Madhopur?]

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : एक बयान सभापटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

१९ डाउन और २० अप देहरादून एक्सप्रेस गाडियों में भीड़ कम करने के लिये किए गये उपाय

गर्मी के मौसम में कोटा-सवाई माधोपुर खण्ड पर १९ डाउन/२० अप देहरादून एक्सप्रेस गाड़ियों में यात्रियों की अपेक्षाकृत अधिक भीड़ होती है । इस अतिरिक्त यातायात की निगरानी के लिए निम्नलिखित उपाय किये गये हैं या करने का विचार है :—

(क) १९-४-६४ से १९ डाउन/२० अप देहरादून एक्सप्रेस गाड़ियों में तीसरे दर्जे का एक और डिब्बा लगाया गया है । यह डिब्बा २९-४-१९६४ तक रतलाम और बयाना के बीच चलता रहा और उसके बाद से रतलाम और दिल्ली के बीच चल रहा है ।

†[ ] English translation.

फिलहाल यह डिब्बा ३१-५-१९६४ तक चलेगा । लेकिन पहले से दिये गये वचन के अनुसार जिस दिन इन गाड़ियों में अतिरिक्त डिब्बे लगाये जायेंगे, उस दिन तीसरे दर्जे का यह अतिरिक्त डिब्बा नहीं लगाया जायेगा क्योंकि इन गाड़ियों में केवल एक अतिरिक्त बोगी लगाने की गुंजाइश है ।

(ख) २४-४-१९६४ से २३ डाउन/२४ अप बम्बई सेंट्रल-दिल्ली जनता एक्सप्रैस में तीसरे दर्जे का एक अतिरिक्त डिब्बा लगाया गया है । यह व्यवस्था १५ जून, १९६४ तक जारी रहेगी ।

(ग) ५५ डाउन/५६ अप बड़ौदा-मथुरा सवारी गाड़ियों में भी तीसरे दर्जे की एक और बोगी लगाने की व्यवस्था की जा रही है । इन गाड़ियों में यह अतिरिक्त डिब्बा गर्मी के पूरे मौसम में चलेगा ।

(घ) (१) अब तक तीन स्पेशल गाड़ियां चलायी गयी हैं: दो बम्बई सेन्ट्रल से नयी दिल्ली के लिए क्रमशः २८-४-६४ और ५-५-६४ को और एक नयी दिल्ली से बम्बई सेन्ट्रल के लिए ३०-४-६४ को। नयी दिल्ली से इस भीड़ की वापसी के लिए जून, १९६४ में दो और स्पेशल गाड़ियां चलाने की योजना बनायी गयी है ।

(२) ४-५-१९६४ से रतलाम और मथुरा के बीच हर तीसरे दिन एक अतिरिक्त गाड़ी चलती है । गर्मी के मौसम में यातायात बहुत बढ़ जाता है जिसकी निकासी के लिए यह गाड़ी इस पूरे मौसम में चलेगी ।

UTHB DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OP RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): A statement is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

Steps taken to *relieve overcrowding on* 19Dn/20UP *Dehra Dun Expresses*

There is comparatively greater rush of passengers on 19Dn|20Up Dehra Dun Expresses on the Kota-Sawai Madhopur section during summer. To clear this extra rush of traffic, the following steps have been taken or are proposed to be taken:

(a) An additional third class coach has been provided on 19Dn/20Up Dehra Dun Expresses from 19th April, 1964, the coach running between Ratlam and Bayana up to 29th April, 1964 and thereafter, between Ratlam and Delhi. The coach will be continued initially upto 31st May, 1964, on those days, however, on which there are prior commitments for hauling extra coaches by these trains, this extra third class coach will be withdrawn as there is room for only one bogie on these trains.

(b) An additional third class coach has been provided on 23Dn/24Up Bombay Central-Delhi Janta Express from 24th April, 1964. This will be continued upto 15th June, 1964.

(c) Arrangements are also being made to augment the loads of 55Dn|56Up Baroda-Mathura Passenger trains by one third class bogie and the extra coach on these trains will continue during summer.

(d) (i) So far 3 special trains—two ex Bombay Central to New Delhi on 28th April, 1964 and 5th May, 1964 and one ex New Delhi to Bombay Central on 30th April, 1964 have already been run. For the return rush from New Delhi, two more special trains in June, 1964 have been planned.

(ii) An extra train every third day is being run from 4th May, 1964 between Ratlam and Mathura. This train will run during the summer season to clear the heavy rush during this period.]

+ [] English translation.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या श्रीमान् को यह ज्ञात है कि यह जो (क) से (ग) तक की व्यवस्थाएं आपने कीं इसके बावजूद भी यह कोटा से सवाई माधोपुर लाइन पर इतना अधिक रश है कि कई यात्री कोटा स्टेशन पर इस तरह पड़े रहते हैं कि कहीं पांव रखने तक की जगह नहीं होती। तो ऐसी स्थिति में क्या सरकार कोई स्थायी हल निकालने की सोच रही है?

श्री शाहनवाज खां : जी, जहां बहुत ज्यादा भीड़ होती है वहां यह एक मौसमी बात भी है। हमने जो एडीशनल कोचेज लगाए हैं उससे काफी हद तक भीड़भाड़ कम हो चुकी है लेकिन हम चाहते हैं कि भीड़ को कम किया जाय। लेकिन हमारी रेलवे मिनिस्ट्री मजबूर है कि वहां लाइन कैपेसिटी है ही नहीं कि जिसम हम कोई और एडीशनल गाड़ी चला सकें। यह हमारी मजबूरी है।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या श्रीमान् यह बतलायेंगे कि जो भाग (घ) के दूसरे हिस्से में बताया है कि ४-५-६४ से रतलाम और मथुरा के बीच में गाड़ी चलेगी तो यह किन दिनों में, किस वार को, या किन किन तारीखों में चलेगी और उसका टाइमिंग क्या होगा? क्या इसका प्रकाशन भी अखबारों में किया है अथवा नहीं?

श्री शाहनवाज खां: जी हां, उसकी अभी तक सब अखबारों में मुश्तहरी हुई है या नहीं, इसको मैं मालूम करूंगा।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : उसका टाइम क्या है, कौन से वार चलेगी, कौन चलाएगा?

श्री शाहनवाज खां : वह तो दिया हुआ है।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : आपने यह नहीं बताया कि कौन से वार को चलेगी, कौनसी तारीख को चलेगी।

श्री शाहनवाज खां : चलाने वाली रेलवे जो है वही करेगी।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या मंत्री जी इस बात को रोज देख रहे हैं कि उस क्षेत्र के निवासी अपने रेलवे विभाग से वैसा ही व्यवहार करें जैसा कि बिहार और उड़ीसा के क्षेत्र में हुआ करता है, जहां ट्रेनों के ऊपर लोग बैठ जाते हैं और ट्रेन्स की चेन खींचते हैं, या फिर ऐसी व्यवस्था करेंगे कि जिससे लोगों को बैठने को जगह मिल सके?

श्री शाहनवाज खां : यह जो कुछ भी किया जा रहा है वह इसीलिये किया जा रहा है कि लोगों की सफर की व्यवस्था बेहतर की जाय।

श्री गिरराज किशोर कपूर : मंत्री महोदय ने बताया सब अखबारों में नहीं दिया गया, मगर जिन अखबारों में भी दिया गया है उन अखबारों के नाम बताने की कृपा करेंगे क्या?

श्री शाहनवाज खां : मैंने कहा है कि रेलवे ने इस बारे में क्या इकदाम उठाए हैं वह मैं मालूम करूंगा।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : फिर हम रेलवे से कहां पूछने जायेंगे? हम तो श्रीमान् से पूछेंगे।

श्री शाहनवाज खां : मैं आनरेबिल मेम्बर को खत लिख दूंगा।

श्री सभापति : आप मालूम करके खत लिख देंगे। इस वक्त नाम नहीं हैं। आप इत्तिला कर देंगे।

SHRI B. K. GAIKWAD: Are Government aware that there is always **a** huge rush of passengers travelling in third class, particularly in the summer season, due to **the** marriages and due to the vacation of the schools and colleges? May I know whether the Government can **make** arranger

ments particularly during that season when there is a huge rush on this line?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: It is precisely for that reason that on this particular train about which the question has been put an additional coach, third class coach, has been added on.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : अभी मैं परसों आ रहा था, वहां पर इतना रश था कि बेचारे बच्चों तक को भी पांव रखने की जगह नहीं थी । आखिर हमारा शासन क्या करना चाहता है ?

(No *reply)*

SHRI P. K. KUMARAN: What is the difficulty in introducing a special train?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN; There is no line capacity available there. The line is fully saturated. It is not possible to run any more train on that.

•293. *[The questioner (.Shri Ram Sahai) was absent. For answer,* vide *cols.* 2198-2200 infra.]

*294. *[The questioner (Shri Arjun Arora) was absent. For answer,* vide *col.* 2200 infra.]

LICENCE TO NATIONAL CO-OPERATIVE ORGANISATION FOR IMPORT OP DRY FRUITS

*295. SHRI M. P. BHARGAVA: Will the Minister of COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that his Ministry arranged for import licences to be issued in favour of a national co-operative organisation for imports of dry fruits, dates and cloves etc.;

(b) if so, what was the object of this arrangement and what is:

(i) the number and value of licences issued;

(ii) the price which the organisation paid for the articles in foreign countries;

(iii) the price at which the articles in question were sold to the consumers in India; and

(c) the value of the various articles imported under those licences?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION (SHRI S. D. MISRA): (a) Yes Sir, but only in respect of dates and dry fruits.

(b) and (c) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Part (b). As there is no national level organisation of consumers' cooperatives for undertaking import on a large scale of consumer goods like dates, dry fruits, etc., for supply to consumers' co-operative set up under the centrally sponsored scheme, arrangements were made for issue of licences to the National Agricultural Co-operative Marketing Federation for import of dates, dry fruits and asafoetida earmarked for supply to co-operatives.

Part (b) (i).

Licence No. and value of licences issued

			Rs.
1.	Dates (wet and dry)	E. 079970	40,00,000
2.	Dry fruits	E. 080241	10,00,000
3.	Dates (wet and dry)	E. 080242	3,75,000
4.	Asafoetida	E. 080240	30,000

Part (b) (ii)

Average F.O.B. (Free on Board) price per tonne paid by the National Agricultural Co-operative Marketing Federation Limited.

	Rs.
Wet dates	225.40
Dry dates	
(a) Brem junub variety	820·10
(b) Chip Chop variety	529·20